सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 17 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 17 फरवरी, 2025

मूल्य ₹ 3/-

हम ऐसी दुनिया में जीते हैं जहाँ फेसबुक पर हमारे बहुत से दोस्त हैं पर फिर भी हमने मानवीय लगाव खो दिया है।

-रॉबिन शर्मा

आईपीएल फाइनल की मेजबानी करेगा... 7 | मंगलदक्षिण में भाजपा पर शुरू... 3 | डबल इंजन की सरकार में डबल... 2

महाकुंभ में कुप्रबंधन, श्रद्धालुओं का करुण रुदन

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से संगम के घाट तक मौत का तांडव!

विपक्ष का आरोप- सरकार की लापरवाही से मर गये हजारों लोग

» तेजस्वी बोले- इन मौतों का जिम्मेदार कौन

» भगदड़ के बाद भूकंप से सहमी दिल्ली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली स्टेशन पर हुई भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं तेजस्वी प्रसाद यादव ने कुंभ के दौरान हजारों लोगों की मौत का आरोप लगाया है। उनके मुताबिक अब तक कुंभ के दौरान हजारो गरीब मर चुके हैं।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा, सरकार द्वारा कोई व्यवस्था नहीं कराई गई है। स्टेशन से लेकर घाट तक मौतें हुई हैं। पूरा देश और बिहार जानना चाहता है कि इन मौतों का जिम्मेदार कौन है? तेजस्वी ने कहा हे कि हजारों लोग मारे जा रहे हैं सरकार को कोई चिंता नहीं है।

गरीबों के बारे में नहीं सोचती सरकार

तेजस्वी यादव ने नई दिल्ली स्टेशन पर हुए रेल हादसे को लेकर कहा की इस तरीके की घटना पहले भी होती रही है लखनऊ स्टेशन पर घटना घटी। आखिर रेलवे स्टेशन पर इस तरीके की घटना हो घट रही है तो इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। तेजस्वी यादव ने कहा कि यह सरकार गरीबों के बारे में नहीं सोचती। एक तरफ लोगों की मौत हो रही है दूसरी तरफ व्यवस्था में किसी भी तरीके का सुधार नहीं दिख रहा है।

सिर्फ प्रचार करने में व्यस्त सरकार

तेजस्वी यादव ने कहा है कि सरकार केवल अपने पीआर में लगी है। इंतजाम केवल वीआईपी टेंट तक सीमित हैं। आम श्रद्धालुओं के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है। स्टेशन से लेकर हर जगह जाम की स्थिति बनी हुई है। पूरे तरीके से प्रयागराज में कुव्यवस्था बनी हुई है। तेजस्वी यादव ने कहा कि ट्रेन सही समय पर चले या ना चले लेकिन हादसा जरूर होता है।

'इस्तीफा दें रेल मंत्री'

कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से इस्तीफा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि रेल मंत्री को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। मनीष तिवारी ने बयान जारी करते हुए कहा है कि इसमें निर्दोष लोगों की जान चली गई। हमारी संवेदनाएं उनके साथ है जिन्होंने इस घटना में अपने परिजनों को खोया है। इस घटना के लिए रेल मंत्री को जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि रेल मंत्री को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। साथ ही इस हादसे को लेकर अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए। पिछले दो-तीन साल में बड़ी रेल दुर्घटनाएं हुई हैं, लेकिन किसी ने इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी। अब उन्हें इस पर जवाब देना चाहिए। पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने से उनके अपनों को वापस नहीं लाया जा सकता।

पैसों का बंदरबांट!

तेजस्वी यादव ने कुंभ आयोजन में पैसे के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि आयोजन के नाम पर पैसे का बंदरबांट किया जा रहा है। आपको जितनी सुविधा मिलनी चाहिए वह तो नहीं मिल रही है। लेकिन लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की होती है लेकिन लोगों को सुरक्षा नहीं दी जा रही है। कुंभ के दौरान लगातार घटनाएं घट रही है लेकिन किसी पर जिम्मेदारी तय नहीं हो रही है। सबसे ज्यादा मृतकों में बिहार के लोग शामिल हैं।

18 लोगों की दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ में हो चुकी है मौत

सबसे सुरक्षित स्टेशन पर हुई भगदड़ : बंसल

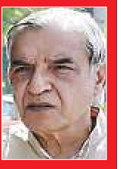

पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन कुमार बंसल ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन हादसे पर दुख जताया। कहा, की यह हादसा उस रेलवे स्टेशन पर हुआ है जिसे एक अच्छी तरह से प्रबंधित रेलवे स्टेशन माना जाता है। इसलिए सरकार की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि यहां व्यवस्थाएं ठीक होनी चाहिए। यह घटना मेले में होने वाले हादसे से बहुत ही अलग है इसलिए यह हादसा काफी गंभीर है। जब महाकुंभ मेला को लेकर बड़े लेवल पर प्रचार किया गया तो सरकार को यह भी विचार करना चाहिए था कि इससे लोगों की भीड़ भी बढ़ेगी। लोगों को स्टेशन पर ट्रेनों के हिसाब से ही आने दिया जाना चाहिए। ताकि व्यवस्था ठीक रहे। पता चला है कि प्लेटफॉर्म पर मौजूद लोग प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों के इंतजार में थे, लेकिन बाद में प्लेटफॉर्म बदले जाने की अनाउंसमेंट कर दी गई, जिस वजह से यह घटना हुई। सरकार की ओर से पूरी तरह से लापरवाही बरती गई। उन्हें स्थिति का अनुमान लगाना चाहिए था कि ट्रेनों की आवाजाही को प्रबंधित करने के लिए उचित बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है।

डबल इंजन की सरकार में डबल ब्लंडर : अखिलेश

कुंभ हादसे और रेल भगदड़ पर सपा प्रमुख का तंज, ट्रेनों की बात कर रहे थे तो कमी कहां रह गयी

हयात अब्बास/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा के लोग बहुत मनमानी कर रहे है। इसीलिए पूरी व्यवस्था खराब हो गयी है। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। कहने को तो बजट बढ़ा रहे हैं लेकिन यह सरकार और इसके विभाग बजट नहीं खर्च कर पा रहे हैं।

अखिलेश यादव ने सवाल पूछा है कि जब सरकार ने महाकुंभ को लेकर सौ करोड़ लोगों के स्नान का इंतजाम किया था तो चूक कहां हो गयी? भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने डबल ब्लंडर क्यों किया। जब यूपी सरकार कह रही थी कि सौ करोड़ लोगों का इंतजाम कर रहे हैं, बस की व्यवस्था करने की बात कर रहे थे ट्रेनों के इंतजाम की बात हो रही थी तो कमी कहां रह गयी?

अखिलेश यादव ने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार को जिस स्तर की तैयारी करनी चाहिए थी वह नहीं किया गया। केवल अपना प्रचार करते रहे। व्यवस्था से ज्यादा ये अपने प्रचार में जुटे रहें। जब सरकार हर दिन बता रही है कि करोड़ों लोगों ने स्नान कर लिया है तो महाकुंभ भगदड़ में जान गवांने वालों की संख्या क्यों नहीं बता रही है। जो खो गए उनकी संख्या क्यों नहीं बता रहे है। सरकार ने 50 करोड़ लोगों को गिन लिया लेकिन मृतकों को क्यों नहीं गिन पायी।

महाआयोजन के नाम पर राजनीतिक लाभ

अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था को तीसरे नम्बर पर ले जाने की बात कर रही है। इन्फ्रास्ट्रक्चर को दुनिया के बराबर होने की बात की जा रही है। लेकिन जो घटनाएं हो रही उससे पता चलता है कि भाजपा सरकार महा आयोजन की तैयारियों में राजनीतिक लाभ लेने में जुट जाती है। आयोजन से ज्यादा अपने प्रचार पर खर्च करती है। आयोजन की व्यवस्था चाहे जितनी खराब हो, ये लोग अपनी इमेज चमकाने में लगे रहते हैं।

आंकड़े कम बता रही है बीजेपी

अखिलेश यादव ने कहा कि मेरी जानकारी में आया है कि अब तक 60 करोड़ से ज्यादा लोग स्नान कर चुके है। यह सरकार आंकड़े कम बता रही। ऐसा इसलिए कर रहे है, क्योंकि जब कभी इसकी एडमिनिस्ट्रेटिव और मैनेजमेंट की स्टडी होगी तो भाजपा सरकार की पोल खुल जाएगी। इसलिए जानबूझ कर आंकड़े कम बता रहे है। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को कुंभ का समय और बढ़ना चाहिए क्योंकि बहुत सारे बुजुर्ग लोग है, जो अभी स्नान नहीं कर पाये हैं। जब सब अच्छा इंतजाम हैं तो समय और बढ़ा देना चाहिए।

सुझाव को विरोधी समझती है सरकार

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार राजनीतिक पार्टियों, नेताओं और पत्रकारों के सुझाव और सलाह को अपना विरोध समझती है। हम लोगों का सुझाव और सलाह उन्हें बुरा लगता है। ये लोग इतने ज्ञानी है कि किसी सलाह को नहीं स्वीकार करते हैं। चीजों को अपने आप डिफाइन कर देते है। 144 साल की बात अपने आप डिफाइन कर दिए। ऐसा प्रचार किया कि लोग महाकुंभ के लिए निकल पड़े। मुख्यमंत्री जी ने तो बहुत आगे बढ़कर घोषणा कर दी कि 100 करोड़ लोगों की व्यवस्था कर दी है। अगर सौ करोड़ लोगों की व्यवस्था होती तो महाकुंभ में इतने लोगों की जान भगदड़ में नहीं जाती।

सजने लगा रामलीला मैदान दिल्ली में 20 को शपथ ग्रहण

» बीजेपी के सभी बड़े नेता होंगे शामिल, मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा होगी कल

» आज शाम होगी बैठक तय किया जाएगा सीएम का नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली में नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर तैयारियां तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, 20 फरवरी को शाम 4:30 बजे रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। हालांकि, नए मुख्यमंत्री के नाम पर अब भी सस्पेंस बरकरार है और भाजपा की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

रामलीला मैदान को भव्य समारोह के लिए तैयार किया जा रहा है। इस मौके पर पंडाल लगाने का काम शुरू हो चुका है और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। वहीं, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने शपथ ग्रहण स्थल का निरीक्षण किया। मैदान में टेंट और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं।

शपथ ग्रहण समारोह में भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेता और केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा सहित अन्य बड़े नेताओं के मौजूद रहने की संभावना है।

इसके अलावा, कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी इस ऐतिहासिक पल के गवाह बन सकते हैं।

भाजपा ने हाल ही में दिल्ली में नई सरकार बनाने की कवायद तेज कर दी है। पार्टी के अंदर कई नामों पर चर्चा हो रही है, लेकिन अंतिम फैसला पार्टी आलाकमान करेगा। नए मुख्यमंत्री के नाम को लेकर कयासों का दौर जारी है, लेकिन आधिकारिक घोषणा का इंतजार किया जा रहा है। शपथ ग्रहण समारोह में हजारों लोगों के शामिल होने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की जा रही है। पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात रहेंगी। इसके साथ ही समारोह स्थल और आसपास के इलाकों में ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी।

यूपी विधानसभा का बजट सत्र कल से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र 18 फरवरी मंगलवार से प्रारंभ होगा। इसके पहले सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया।

नेता सदन ने विपक्षी दलों से सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों के नेताओं से कहा कि जनहित के मुद्दों को सदन में रखें एवं स्वस्थ चर्चा कर प्रदेश में विकास को और गति प्रदान करने में सरकार का सहयोग करें।

विधानसभा सत्र संचालन के संबंध में विधान भवन में सोमवार को सर्वदलीय बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने की। नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदन में स्वस्थ चर्चा होनी चाहिए। इससे प्रदेश का विकास भी होता है और जनता की समस्याओं का समाधान भी। जनप्रतिनिधि के रूप में जनता के हित से जुड़े हर मुद्दों पर सदन में सुचारू रूप से चर्चा होनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि सदन के संचालन में किसी प्रकार की बाधाएं न आएं, इसका ध्यान सभी सदस्यों को रखना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी सदन के सुचारू संचालन के लिए सभी सदस्यों का सहयोग मांगा। बैठक में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा, सुभासपा के विधायक बेदी राम, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी से विनोद सरोज समेत कई नेता मौजूद रहे।

दस दिन बाद भी बीजेपी नहीं चुन पाई मुख्यमंत्री : आतिशी

» बोलीं- पीएम मोदी को अपने 48 विधायकों पर भरोसा नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे आए अब लगभग 10 दिनों का समय बीत चुका है, लेकिन बीजेपी अब तक दिल्ली को उसका मुख्यमंत्री नहीं दे पाई है। इसको लेकर अब दिल्ली की कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी ने बीजेपी पर निशाना साधा है।

आतिशी ने कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजे आए 10 दिन हो गए, दिल्ली वालों ने उम्मीद की थी कि 9 फरवरी को बीजेपी सीएम का चेहरा घोषित करेगी। दिल्ली के नए सीएम अपने सहयोगी मंत्री के साथ 10 फरवरी को शपथ लेंगे। फिर उनका काम भी शुरू हो जाएगा, लेकिन जनता इंतजार करती रह गई। 10 दिन बाद भी बीजेपी सीएम का निर्णय नहीं ले पाई है।

आप सीनियर लीडर आतिशी ने कहा कि इससे यह यह साबित हो गया कि बीजेपी के पास दिल्ली की सरकार चलाने के लिए सीएम का एक भी चेहरा नहीं है। आज साफ है कि प्रधानमंत्री को 48 विधायकों में से किसी पर भरोसा नहीं है।

दिल्ली के लिए बीजेपी के पास विजन नहीं

दिल्ली की कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने आगे बीजेपी को निशाने पर लेते हुए कहा कि बीजेपी के विधायक सरकार चलाने की योग्यता नहीं रखते हैं। सबका एक ही काम है लूट खसोट करना और दिल्ली के पैसे का बंदरबांट करना है। इसके अलावा, आतिशी ने कहा कि भाजपा के पास दिल्ली के लिए कोई विजन और प्लान नहीं है। वह सरकार नहीं चला सकते। यह कड़वी सच्चाई है जो चुनाव के तुरंत बाद जनता के सामने आ गई है।

अभी से पावर कट शुरू

आतिशी ने कहा कि दिल्ली में पिछले दस साल से कोई पॉवरकट नहीं लग रहे थे। 8 फरवरी के बाद कई इलाको में 4 से 5 घंटे तक बिजली बंद रहने लगी हैं। उस समय बीजेपी ने कहा था कि अभी तो मैं सीएम हूं। आप नेत्री ने कहा कि सरकार गठन से पहले यमुना में मशीन लगाकर सफाई कराई जा रही है तो कह रहे हैं कि दिल्ली सरकार तो एलजी साहब चला रहे हैं। बीजेपी वाले पहले यह तय कर लें कि उन्हें कहना क्या है?

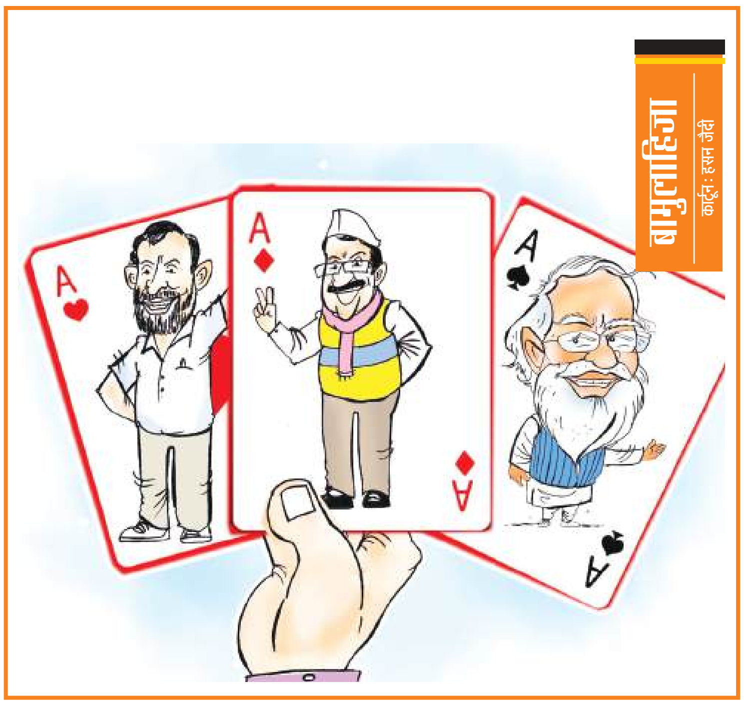

सपा छात्रसभा ने संजय निषाद का फूंका पुतला

» धर्मात्मा निषाद की मौत से नाराज सपाइयों ने हजरतगंज में जमकर काटा हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने निषाद पार्टी के चीफ का पुतला फूंका। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने संजय निषाद का पुतला जलाकर उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। सपा कार्यकर्ता ने संजय निषाद मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए तस्वीर को पैरों से कुचला। निषाद पार्टी के प्रदेश सचिव धर्मात्मा निषाद की मौत से नाराज कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज में जमकर हंगामा काटा।

हजरतगंज चौराहे पर अचानक सपा कार्यकर्ता संजय निषाद का पुतला लेकर पहुंचे गए। पुलिस की नजर पड़ने से पहले ही संजय निषाद का पुतला जलाकर चौराहे पर बैठ गए नारेबाजी करने लगे। महराजगंज से निषाद पार्टी के प्रदेश सचिव धर्मात्मा निषाद ने आत्महत्या करने के बाद । पार्टी अध्यक्ष और यूपी सरकार में मंत्री डॉ. संजय निषाद पर गंभीर आरोप लगाये थे । धर्मात्मा निषाद ने पार्टी अध्यक्ष और उनके परिजनों पर परेशान करने का आरोप लगाया था। संबंधित मामले को लेकर फेसबुक पर लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखा। इसी मामले पर सपा कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई।

दक्षिण में भाजपा पर शुरू हुआ तीखा वार

केरल, कर्नाटक व तमिलनाडु में छाया नया सियासी रंग

» कांग्रेस, डीएमके व यूडीएफ ने कसी कमर

» इन राज्यों में बीजेपी को रोकने की बनेगी रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोक सभा चुनावों में जबसे दक्षिण भारत में भाजपा ने वोटिंग शेयर बढ़ाई है तबसे वह वहां पर तेजी से सक्रिय हो रही है। इसी का नतीजा है कि उत्तर भारत में उठे मुद्दे वहां भी गंभीरता से उठाने लगी है। इसीक्रम में वह समय-समय पर वहां क्षेत्रीय पार्टियों समेत कांग्रेस को घेरती रहती है। जहां केरल के वायनाड में प्रियंका गांधी के सासंद बनने के बाद वह वहां पर तेजी आक्रामक हो रही है। तो तमिलनाडु में डीएमके, तेलंगाना में कांग्रेस व वाईएसआर व कर्नाटक में कांग्रेस पर वार करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती है।

भाजपा की इसी सक्रियता को देखते हुए है अब इन राज्यों की पार्टियों ने भाजपा को घेरने की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया। कर्नाटक से लेकर केरल तक में केंद्र की नीतियों को लेकर आलोचाओं का दौर शुरू हो गया है। जहां कर्नाटक में सीएम सिद्धारमैया ने जल जीवन मिशन पर भाजपा की आलोचना की व कर्नाटक के साथ धोखाधड़ी का लगाया आरोप लगाया तो केरल में वायनाड पुनर्वास के लिए केंद्र के ऋण की शर्तों पर केरल मंत्री ने सवाल उठाए हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आज जल जीवन मिशन (जेजेएम) को लेकर भाजपा की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने जल जीवन मिशन के लिए राज्य को घोषित धनराशि जारी नहीं करके कर्नाटक के साथ धोखा किया है।

ऋण की शर्तों पर केरल में भाजपा की सरकार से रार

केरल के राजस्व मंत्री के राजन ने शनिवार को केंद्र द्वारा वायनाड पुनर्वास के लिए स्वीकृत 529.50 करोड़ रुपये के ऋण की शर्तों को डरावना और क्रूर मजाक बताया। उन्होंने कहा कि वायनाड के पुनर्वास

के लिए केंद्र द्वारा जारी राशि से यह स्पष्ट होता है कि वायनाड और केरल में भूस्खलन पीड़ितों के प्रति केंद्र सरकार का रवैया नहीं बदला है। राजन ने कहा कि केंद्र ने केरल को बिना शर्त वित्तीय सहायता देने के बजाय, ऋण के साथ कठोर शर्तें लगाई हैं, जिसमें 31 मार्च तक पूरी राशि का उपयोग करना अनिवार्य है। साथ ही मामले में वायनाड के कुछ आपदा प्रभावित लोगों ने अपनी निराशा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वे निराश हैं और आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकार उन्हें एक पाले से दूसरे पाले में गेंद की तरह फेंक रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री ने यहां आकर हरसंभव मदद का वादा किया था, तो हमें उम्मीदें थीं, लेकिन अब हमें केवल ऋण दिया गया है।

भाजपा की भाषा बोल रहे हैं पलानीस्वामी : सीएम स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और सत्ताधारी डीएमके के अध्यक्ष एमके स्टालिन ने शनिवार को आरोप लगाया कि एआईएडीएमके महासचिव एदाप्पदी के पलानीस्वामी इन दिनों भाजपा की भाषा बोल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भजापा और एआईएडीएमके मिले हुए हैं। स्टालिन ने केंद्रीय बजट में तमिलनाडु की अनदेखी करने का भी आरोप लगाया और कहा कि बीते कुछ वर्षों से राज्य को कोई फंड नहीं मिला है। दरअसल हाल ही में एआईएडीएमके महासचिव के पलानीस्वामी ने कहा था कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे इंडी गठबंधन के लिए बड़ा झटका हैं। जब पलानीस्वामी के बयान पर सीएम स्टालिन से प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा कि मैं पहले ही कह चुका हूं कि पालनीस्वामी का बयान देखकर लगता है कि यह भाजपा का बयान है। एआईएडीएमके का शीर्ष नेतृत्व भाजपा की भाषा बोल रहा है। उन्होंने कहा कि एआईएडीएमके और भाजपा का पर्दे के पीछे गुप्त गठबंधन है और वे इसे साबित कर सकते हैं। डीएमके चीफ ने कहा कि पलानीस्वामी को बयान देने से पहले अपनी असफलताओं पर ध्यान देना चाहिए।

नकारी जा रहीं हैं गठबंधन में दरार की बातें

उंगालिल ओरुवन अभियान के दौरान डीएमके अध्यक्ष ने मीडिया से बात की। इस दौरान उनसे पुडुकोटिल जिले में पानी के टैंक में मानव मल मिलाने की घटना की, डीएमके की सहयोगी सीपीआईएम और वीसीके द्वारा की जा रही सीबीआई जांच की मांग को लेकर सवाल किया गया और पूछा गया कि क्या गठबंधन में कोई मतभेद हैं? इसके जवाब में स्टालिन ने कहा कि विचारों में मतभेद हो सकते हैं फिर चाहे वो परिवार हो या कार्यालय या कोई और जगह। अपने विचारों को व्यक्त करना ही लोकतंत्र है। मणिपुर में राष्ट्रति शासन लगाने को लेकर पूछे गए सवाल पर स्टालिन ने कहा कि इसमें बहुत देरी की गई। इस दौरान स्टालिन ने अपनी सरकार की कई योजनाओं का जिक्र किया। सीएम स्टालिन ने आरोप लगाया कि केंद्रीय बजट में तमिलनाडु की उपेक्षा की गई और बीते कुछ वर्षों से तमिलनाडु को बजट में कोई फंड नहीं मिला है।

भाजपा कर्नाटक के साथ धोखा कर रही : सिद्धारमैया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को जल जीवन मिशन (जेजेएम) को लेकर भाजपा की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) के लिए राज्य को घोषित धनराशि जारी नहीं करके कर्नाटक के साथ धोखा किया है। साथ ही मुख्यमंत्री ने केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमन्ना पर निशाना साधते हुए कहा कि वे झूठ बोल रहे हैं।बता दें कि वी सोमन्ना ने लोकसभा में कहा था कि कर्नाटक को जल जीवन मिशन के तहत 28,623 करोड़ रुपये का आवंटन हुआ, लेकिन राज्य ने केवल 11,760 करोड़ रुपये खर्च किए। इस पर सिद्धारमैया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जवाब देते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री कर्नाटक को नुकसान पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार की कोशिशों को छिपा रहे हैं। मामले में मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कर्नाटक के लिए जल जीवन मिशन के तहत कुल 49,262 करोड़ रुपये का आवंटन था, जिसमें केंद्र का हिस्सा 26,119 करोड़ रुपये और राज्य का हिस्सा 23,142 करोड़ रुपये था। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने कर्नाटक को केवल 11,760 करोड़ रुपये जारी किए, जो उसकी प्रतिबद्धता का केवल 45 प्रतिशत है, जबकि राज्य ने 29,413 करोड़ रुपये खर्च किए। साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 3,804 करोड़ रुपये आवंटित किए थे, लेकिन केवल 570 करोड़ रुपये जारी किए गए, जबकि कर्नाटक ने अपने बजट से 4,977 करोड़ रुपये जारी किए। सिद्धारमैया ने कहा कि केंद्र का ध्यान जल जीवन मिशन को खत्म करने पर है, जबकि राज्य सरकार हर घर में सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्र केरल की मदद करने का दिखावा कर रहा : सतीशन

साथ ही विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने भी केंद्र के फैसले की आलोचना की और इसे अव्यावहारिक बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र केरल की मदद करने का दिखावा करते हुए उसका दम घोंटने की कोशिश कर रहा है। बता दें कि इस ऋण को बीते साल केरल के वायनाड में जुलाई 2023 में हुए भूस्खलन में मारे गए 200 से अधिक लोगों के पुनर्वास के लिए स्वीकृत किया गया था, जिसे लेकर केंद्र की आलोचना की गई थी। वहीं मामले में राज्य के वित मंत्री के एन बालगोपाल ने भी 31 मार्च तक पूरी राशि का उपयोग करने की शर्त को व्यावहारिक समस्या बताया। इसके अनुसार, केंद्र से जारी की गई राशि को 10 कार्य दिवसों के भीतर कार्यान्वयन एजेंसियों को भेजना जरूरी है। अगर इसमें देरी हुई, तो राज्य को ब्याज का भुगतान करना होगा।

ब्याज मुक्त ऋण असल में एक अनुदान : सुरेंद्रन

केरल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने वामपंथी सरकार और विपक्षी यूडीएफ पर पलटवार करते हुए कहा कि केंद्र द्वारा दिया गया 50 साल का ब्याज मुक्त ऋण असल में एक अनुदान है। उन्होंने कहा कि केरल सरकार और यूडीएफ को इस रकम को 50 साल बाद चुकाने की चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि पांच साल बाद इसकी जिम्मेदारी राष्ट्रीय पार्टी, यानी बीजेपी पर आ जाएगी। सुरेंद्रन ने तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सरकार को इस मुद्दे पर चुप

रहने और राजनीतिक बयानबाजी करने के बजाय वायनाड में पिछले साल हुए भूस्खलन के पीड़ितों के पुनर्वास के लिए तुरंत इस रकम का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि 31 मार्च तक समयसीमा को बढ़ाकर अप्रैल या मई करने की मांग की जा सकती है, और केंद्र इस पर विचार करेगा। सुरेंद्रन ने यह भी बताया कि पुनर्वास कार्य राज्य सरकार की जिम्मेदारी थी, जैसा कि पूर्ववर्ती यूपीए सरकार ने तय किया था, लेकिन केंद्र जरूरत पड़ने पर मदद करेगा और भविष्य में भी करेगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

भारतीय त्यौहारों के रंगों को धुंधला न करें!

> **"हमने अपने त्यौहारों को विकृत करने में कोई कमी नहीं रखी है, यही कारण है कि कुछ त्यौहार मद्यपान से जुड़ गए हैं, तो कुछ जुए से, कुछ कीचड़ से सन जाते हैं, तो कुछ लेन-देन के अवसर बन गए हैं। कुछ के साथ अश्लीलता एवं फूहड़ता जुड़ गयी है। इतना ही नहीं हमारी त्यौहारों की समृद्ध परंपरा को धुंधलाने के भी सुनियोजित प्रयास हो रहे हैं।**

पाश्चात्य अंधानुकरण के कारण हमने भारतीय त्यौहारों के रंगों को धुंधला दिया है। भारत के प्रत्येक भू-भाग के अपने त्यौहार हैं, कुछ समान हैं तो कुछ उस भू-भाग की विशिष्टता लिए। परंतु इन्हें भी विकृत करने का व्यापक प्रयास हो रहा है। आज कल महाकुंभ चल रहा है वहां भी सोशल मीडिया पर कुछ एसे वीडियों वायरल हो रहे हैं जिसमें ऐसा लगता है कि हम आस्था में पर्व में न जाकर पर्यटन करने गए हों। हमने अपने त्यौहारों को विकृत करने में कोई कमी नहीं रखी है, यही कारण है कि कुछ त्यौहार मद्यपान से जुड़ गए हैं, तो कुछ जुए से, कुछ कीचड़ से सन जाते हैं, तो कुछ लेन-देन के अवसर बन गए हैं। कुछ के साथ अश्लीलता एवं फुहड़ता जुड़ गयी है। इतना ही नहीं हमारी त्यौहारों की समृद्ध परंपरा को धुंधलाने के भी सुनियोजित प्रयास हो रहे हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ और बड़े व्यावसायिक संस्थान अपने लाभ के लिए देश में ऐसे उत्सवों/पर्वों को स्थापित कर रहे हैं, जिनका हमारी संस्कृति से मेल नहीं है।

फेमिली डे, मदर डे, फादर डे, वैलेंटाइन डे-ऐसे आधुनिक पर्व हैं, जिन्हें बड़ी कंपनियाँ एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया महिमामंडित कर रहे हैं। अपने आपको आधुनिक कहने वाले परिवारों एवं लोगों के लिए दीपावली, होली, रक्षाबंधन जैसे पारंपरिक पर्वों की तुलना में ये आधुनिक पर्व ज्यादा महत्त्वपूर्ण एवं प्रासंगिक हैं। आखिर क्यों? हम अपने ही देश एवं अपनी संस्कृति के बीच बेगाने क्यों बने हुए हैं? अपने त्यौहारों की समृद्ध परम्परा को क्यों कमजोर कर रहे हैं? भारतीय संस्कृति इसलिये अनूठी एवं विलक्षण है क्योंकि यह मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की अनुकरणीय और लीलाधर श्रीकृष्ण की अनुसरणीय शिक्षाओं की साक्षी है। हमारी संस्कृति ने न केवल भारत को, बल्कि सभी को अपना परिवार माना है। तभी यहां आज भी 'वसुधैव कुटुंबकम' का मूल मंत्र दोहराया जाता है। पाश्चात्य देशों की बात करें, तो उसने दुनिया को केवल बाजार माना है। हमारी सनातन संस्कृति में रचे-बसे लोग इतने उदार हैं कि हमने सदैव अन्य देशों की संस्कृतियों का दोनों बाहें फैलाकर स्वागत किया है। पर्व, व्रत, त्योहार एवं उत्सव सामाजिक सरोकार के अद्भुत संगम एवं समन्वय के मूर्त रूप हैं। यदि हम असामाजिक, संवेदनशून्य, उपभेक्तावादी एवं पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण करने की दिशा में अग्रसर रहेंगे तो हमारी यह मूल्यवान संस्कृति जड़ बनकर पतनोन्मुख हो सकती है। हजारों-हजारों साल से जिस प्रकृति ने भारतीय मन को आकार दिया था, उसे रचा था, भारतीयता की एक अलग छवि का निर्माण हुआ, यहां के इंसानों की इंसानियत ने दुनिया को आकर्षित किया, संस्कृति एवं संस्कारों, जीवन-मूल्यों की एक नई पहचान बनी। अब फिर एकबार सभी भारतवासियों की जिम्मेदारी है कि वह अपने त्यौहार को विकृत ने करें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दवाएं प्रभावी बनाने को हो पर्यावरणीय कारकों की पहचान

मुकुल व्यास

आपको यह सुनकर जरूर आश्चर्य होगा कि हमारे पर्यावरण में मौजूद रसायन दवाओं के असर में हस्तक्षेप करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन रसायनों की पहचान करने से दवाइयों को बेहतर तरीके से काम करने में मदद मिल सकती है। आपके जीन आपकी ऊंचाई, बालों और आंखों के रंग और त्वचा की रंगत को निर्धारित करने में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं, लेकिन वे आपकी पूरी कहानी नहीं बताते हैं। आपके व्यक्तित्व, आपकी पसंद और नापसंद और आपके स्वास्थ्य को आकार देने में आपका पर्यावरण अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण है। वास्तव में, आपके ऊपर आपके आहार, सामाजिक संपर्क, प्रदूषण से संपर्क, शारीरिक गतिविधि और और शिक्षा के प्रभाव अक्सर आनुवंशिकी के प्रभावों और अन्य विशेषताओं से अधिक होते हैं जो आपको परिभाषित करती हैं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि हम पता लगा लें कि आपके जीन और पर्यावरण अस्थमा, हृदय रोग, कैंसर, डिमेंशिया और अन्य दशाओं के विकास की संभावना को कैसे बढ़ाते हैं, तो चिकित्सा के तौर-तरीकों में एक बड़ा बदलाव आ सकता है। जीनोमिक्स विज्ञान का एक तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है। यह जीव विज्ञान की एक शाखा है जो जीनोम के अध्ययन से संबंधित है। जीनोम एक जीव के डीएनए का पूरा सेट होता है, जिसमें उसके सभी जीन और अन्य डीएनए सीक्वेंस शामिल होते हैं। जीनोमिक्स में जीनोम की संरचना, कार्य और विकास का अध्ययन किया जाता है। इसमें जीनों की पहचान, उनके कार्यों का विश्लेषण और जीनोमिक डेटा के विश्लेषण के लिए कंप्यूटर तकनीकों का उपयोग शामिल है। जीनोमिक्स का उपयोग करके नई दवाओं और उपचारों का विकास किया जा सकता है। जीनोमिक्स का उपयोग करके फसलों की उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है। पारिस्थितिकी जीनोमिक्स का उपयोग करके पारिस्थितिक तंत्र की समझ में सुधार किया जा सकता है।

जीनोमिक्स के क्षेत्र ने बीमारी के जोखिम से जुड़ी आनुवंशिक विविधताओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए अस्पताल और घर दोनों में परीक्षण करना अपेक्षाकृत सरल बना दिया है। हाल के वर्षों में, विज्ञान कई बीमारियों के जोखिम को बढ़ाने वाले पर्यावरणीय अपराधियों को ट्रैक करने और आपके व्यक्तिगत पर्यावरणीय जोखिमों के

आधार पर उपचारों को अनुकूलित करने के तरीकों की पहचान करने में प्रगति कर रहा है। जीनोमिक्स के साथ ही एक्सपोसोमिक्स भी एक उभरता हुआ विज्ञान है जो आपके जीव विज्ञान को प्रभावित करने वाले सभी भौतिक, रासायनिक, जैविक और सामाजिक कारकों का अध्ययन करता है। एक्सपोसोम दरअसल एक अवधारणा है जिसमें आपके सभी पर्यावरणीय जोखिम शामिल होते हैं। जैसे शोधकर्ता जीनोमिक्स का अध्ययन करने के लिए डीएनए सीक्वेंसर का उपयोग करते हैं, वैसे ही एक्सपोसोमिक्स में वैज्ञानिक स्वास्थ्य पर हजारों पर्यावरणीय कारकों के प्रभावों को मापने के लिए रसायन विज्ञान और उच्च तकनीक वाले सेंसर का उपयोग करते हैं। हम जानते हैं कि दवाएं हमेशा काम नहीं करतीं। कई लोगों के लिए, कुछ दशाओं के इलाज के लिए मानक दवा उपचार बस काम नहीं करते हैं। रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए अक्सर महीनों के परीक्षण की आवश्यकता होती है। इसी तरह डिप्रेशन के लिए उपयुक्त उपचार योजना की पहचान करने में महीनों या वर्षों तक का समय लग सकता है। सिर्फ अमेरिका में दवाओं के कारण होने वाले प्रतिकूल परिणामों के कारण हर साल दस लाख से अधिक लोगों को अस्पतालों के आपातकालीन विभागों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। रोगियों के बीच दवा के प्रभावों में ये अंतर किस वजह से होता है? क्या यह उनके जीन हैं? क्या वे साइड इफेक्ट के कारण अपनी दवाएं निर्धारित अनुसार नहीं ले रहे हैं? या इन सब के पीछे कुछ और है? अध्ययनों से पता चलता है, कि आपके पर्यावरण का इस बात पर बहुत प्रभाव हो सकता है कि विशिष्ट उपचार आपके लिए कितने कारगर हैं। उदाहरण के लिए, किसी विशिष्ट दवा को लेते समय ग्रेप फ्रूट (चकोतरा) का रस न पीने की सलाह देने वाले चेतावनी लेबल के बारे में सोचें। ऐसा इसलिए है क्योंकि ग्रेपफ्रूट में मौजूद एक प्राकृतिक रसायन उन एंजाइमों को रोकता है जो उन दवाओं को विखंडित करते हैं।

उच्च कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ सामान्य स्टैटिन विषाक्त स्तर तक बढ़ सकते हैं क्योंकि ग्रेपफ्रूट के रस में मौजूद रसायन इसकी सामान्य प्रोसेसिंग को अवरुद्ध कर देते हैं। ग्रेपफ्रूट ही एकमात्र पर्यावरणीय कारक नहीं है जो आपकी दवाओं के प्रति आपकी प्रतिक्रिया को प्रभावित करता है। उदाहरण के तौर पर अमेरिका में 8,600 से अधिक रसायनों का उपयोग किया जाता है, और लोग प्रतिदिन इनमें से हज़ारों रसायनों के संपर्क में आते हैं।

संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता लाने का प्रयास

डॉ. सुधीर कुमार

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को हाल ही में संसद में पेश किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और दक्षता लाना है। यह विधेयक वक्फ अधिनियम 1995 में संशोधन करता है, ताकि वक्फ बोर्डों के कामकाज को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। संशोधन के बाद, वक्फ अधिनियम, 1995 का नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन, अधिकारिता, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995 कर दिया गया है। वक्फ संपत्ति वह संपत्ति होती है जिसे मुसलमानों ने धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए दान किया हो। इस संपत्ति को न तो बेचा जा सकता है और न ही इसका स्वामित्व बदला जा सकता है। विधेयक वक्फ की परिभाषा को स्पष्ट करता है और इसमें नई प्रकार की संपत्तियों को शामिल करता है।

पहले, ऐसी जमीन जो मस्जिद या इस्लामिक उद्देश्यों के लिए उपयोग होती थी, उसे वक्फ संपत्ति माना जाता था, भले ही वह दान की गई हो या नहीं। लेकिन, वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के अनुसार, अब केवल दान की गई जमीन ही वक्फ संपत्ति होगी, भले ही उस पर मस्जिद हो या न हो। विधेयक में कहा गया है कि वक्फ के रूप में पहचानी गई कोई भी सरकारी संपत्ति वक्फ नहीं रह जाएगी। अनिश्चितता के मामले में क्षेत्र का कलेक्टर स्वामित्व निर्धारित करेगा और राज्य सरकार को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। यदि इसे सरकारी संपत्ति माना जाता है, तो वह राजस्व रिकॉर्ड को अपडेट करेगा। कानून के अनुसार वक्फ घोषणा द्वारा, दीर्घकालिक उपयोग के आधार पर (उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ), या उत्तराधिकारी की अनुपस्थिति में अनुदान (वक्फ-अलल-औलाद) किया जा सकता है। विधेयक में कहा गया है कि केवल वही व्यक्ति वक्फ की घोषणा कर सकता है जिसने पांच साल तक इस्लाम का पालन किया हो। वक्फ को मुस्लिम कानून के अनुसार प्रबंधित किया जाता है। विधेयक राज्य वक्फ बोर्ड्स और केंद्रीय वक्फ परिषद में गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने की अनुमति देता है और ऐसा करना अनिवार्य करता है। इसके अलावा, बोर्डों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व भी बढ़ाया जाएगा। अब वक्फ बोर्डों में दो महिलाएं और दो गैर-मुस्लिम सदस्य रखने अनिवार्य होंगे। यह प्रावधान वक्फ बोर्डों की संरचना को अधिक समावेशी और प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

इससे सभी धर्मों के लोगों को वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में भागीदारी करने का अवसर मिलेगा। विधेयक में यह प्रावधान है कि वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष का चुनाव बोर्ड के सदस्यों द्वारा किया जाएगा। इससे अध्यक्ष पद पर नियुक्ति में अधिक पारदर्शिता आएगी। विधेयक में यह प्रस्ताव है कि प्रत्येक वक्फ बोर्ड में एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति की जाएगी। सीईओ वक्फ बोर्ड के प्रशासनिक कार्यों का संचालन करेगा और बोर्ड को अपनी गतिविधियों के बारे में रिपोर्ट करेगा। इससे वक्फ संपत्तियों के बारे में जनता का विश्वास बढ़ेगा। विधेयक में यह प्रावधान है कि वक्फ संपत्तियों का नियमित निरीक्षण और लेखा परीक्षा की जाएगी और उनसे होने वाली आय में वृद्धि हो सकेगी। इससे वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग को रोकने में मदद मिलेगी।

विधेयक में वक्फ संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन और पारदर्शिता के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। इसके तहत, वक्फ संपत्तियों का सर्वेक्षण और सीमांकन किया जाएगा। इसके तहत, वक्फ संपत्तियों के आय और व्यय का ऑडिट किया जाएगा। इसके अलावा, वक्फ संपत्तियों के उपयोग के बारे में जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। विधेयक में वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव है। इससे वक्फ संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन हो सकेगा। विधेयक में वक्फ संपत्तियों के अतिक्रमण को रोकने के लिए कड़े प्रावधान किए गए हैं। इससे वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। वक्फ संपत्ति पर दावा करने वाला व्यक्ति अब वक्फ न्यायाधिकरण के साथ-साथ सामान्य न्यायालय में भी अपील कर सकता है। पहले, वक्फ न्यायाधिकरण का फैसला अंतिम माना जाता था और इसे चुनौती नहीं दी जा सकती थी। लेकिन, अब इस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जा सकेगी। हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि यह विधेयक वक्फ संपत्तियों पर सरकार के नियंत्रण को बढ़ाता है और वक्फ बोर्डों की स्वायत्तता को कम करता है। उनका यह भी तर्क है कि गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने से वक्फ संपत्तियों के धार्मिक चरित्र को खतरा हो सकता है।

हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि विधेयक में कुछ कमियां हैं। उनका कहना है कि विधेयक में वक्फ संपत्तियों के उपयोग के बारे में और अधिक स्पष्ट प्रावधान होने चाहिए। सरकार का कहना है कि यह विधेयक केवल वक्फ संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन के लिए है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि विधेयक में कुछ प्रावधान, जैसे कि वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करना, अनुच्छेद 14 का उल्लंघन कर सकते हैं। उनका तर्क है कि वक्फ एक धार्मिक न्यास है, और इसका प्रबंधन मुस्लिम समुदाय द्वारा किया जाना चाहिए। कुछ लोगों का तर्क है कि विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में सरकार के हस्तक्षेप को बढ़ाता है, जो अनुच्छेद 25 द्वारा संरक्षित धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन हो सकता है। विधेयक वक्फ संपत्तियों के उपयोग को विनियमित करने के लिए कुछ प्रावधान करता है, जो कुछ लोगों के अनुसार अनुच्छेद 30 के तहत अल्पसंख्यकों के अधिकारों का उल्लंघन कर सकता है।

भुनी अदरक से बनीं गोलियां खांसी में देंगी राहत

अदरक आपकी खांसी का इलाज करती है। इसलिए अगली बार जब आपको एलर्जी हो या लगातार खांसी परेशान करे तो गोली खाने या कफ सिरप पीने की बजाय यह झटपट और आसानी से तैयार होनेवाला घरेलू नुस्खा ट्राई कीजिए। अदरक श्वसन अंगों को सिकुड़ने से रोकता है। यह बलगम के निर्माण को आसान बनाता है जिससे खांसी सूखी नहीं रहती। अदरक में एंटीऑक्सिडेंट्स भी होते हैं जो गले और श्वसन नली से विषैले तत्वों को बाहर निकालने का काम करता है, और आपको खांसी से आराम मिलता है। इसी तरह अदरक में मौजूद जिंजरोल्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी तत्व भी आपकी समस्या को दूर करने में सहायता करते हैं। यही नहीं अदरक अपने एन्टीहिस्टमीन तत्वों के कारण नाक और श्वसन नली में होनेवाली एलर्जी को भी रोकता है और अस्थमा-ब्रोंकाइटिस जैसे बीमारियों से आपको बचाता है। इसमें नमक मिलाने से एक दवा के तौर पर इसकी क्षमता बढ़ जाती है। नमक बलगम बनाने वाले अंगों पर असर करता है और बैक्टिरीया पनपने नहीं देता।

सामग्री

50 ग्राम अदरक, 50 ग्राम गुड़, 50ग्राम शहद, 1/2 चम्मच काली मिर्च पाउडर, 1/2 चम्मच इलायची पाउडर, थोड़ा सा नींबू का रस।

विधि

अदरक को धोकर छील लें और छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।धीमी आंच पर तवे या पैन में अदरक के टुकड़ों को हल्का भूरा होने तक भून लें। अदरक की खुशबू आने लगेगी और यह थोड़ी सूखी हो जाएगी। भुनी हुई अदरक को ठंडा होने के बाद मिक्सर या सिलबट्टे पर पीसकर पेस्ट बना लें। एक पैन में गुड़ को धीमी आंच पर पिघलाएं जब तक वह गाढ़ा सिरप न बन जाए ध्यान रखें कि गुड़ जलने न पाए, इसे बीच-बीच में हिलाते रहें।पिघले हुए गुड़ में शहद, अदरक का पेस्ट, काली मिर्च पाउडर और इलायची पाउडर मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छी तरह से मिलाकर थोड़ी देर पकाएं, जब तक यह एक समान न हो जाए। आप चाहें तो थोड़ा नींबू का रस भी मिला सकते है। मिश्रण को हल्का ठंडा होने दें ताकि इसे हाथों से छू सकें। अपने हाथों में थोड़ा घी लगाएं और मिश्रण से छोटी-छोटी गोलियां बना लें इन्हें एक प्लेट में रखें और ठंडा होने दें ताकि ये सख्त हो जाएं। गोलियों को एयरटाइट डिब्बे में रखें। इन्हें 2-3 हफ्ते तक इस्तेमाल किया जा सकता है खांसी और गले की खराश के लिए दिन में 2-3 बार इन गोलियों का सेवन करें।

बिना धूप के ऐसे तैयार करें अचार

बाजार में तरह-तरह की हर मौसम में सब्जियां आ जाती हैं, जो रंग-बिरंगी होने के साथ ही स्वाद और सेहत के लिए भी फायदेमंद होती हैं। इस मौसम में पालक-बथुआ के पराठे, आलू-प्याज के पराठे और मूली और गोभी के पराठे खाना लोग काफी पसंद करते हैं। इस तरह के खाद्य सामग्रियों का स्वाद अचार बढ़ा देता है। सर्दियों के मौसम में ताजा और लजीज अचार फटाफट बनाया जा सकता है। इस मौसम में खासतौर पर मूली गाजर का अचार बनाया जाता है, हालांकि सर्दियों में तेज धूप न निकलने के कारण अचार को सुखाने या गलाने की समस्या रहती है लेकिन गाजर और मूली का इंस्टेंट अचार बिना धूप में सुखाए भी आसानी से बन जाता है। इसे बनाने में न तो अधिक वक्त लगता है और ना ही धूप की जरूरत होती है।

सामग्री

दो गाजर कद्दूकस किए हुए, एक मूली कद्दूकस की हुई, (चाहे तो पतले और छोटे टुकड़ों में भी काट सकते हैं) एक चम्मच अदरक कद्दूकस किया हुआ नमक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, आधा चम्मच सौंफ, चुटकीभर मेथी दाना, दो चम्मच सरसों का तेल, एक-दो चम्मच सिरका।

विधि

सबसे पहले गाजर और मूली को अच्छी तरह से धोकर छील लें। अब इसे कद्दूकस कर लें। एक बड़े बर्तन में कद्दूकस किया हुआ गाजर और मूली एकत्र करके उसमें स्वादानुसार नमक, चुटकी भर हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, सौंफ, मेथी दाना और अदरक डालकर अच्छे से मिला लें। एक कढ़ाई में सरसों का तेल गर्म करें। इसमें थोड़ा सा मेथी दाना डालकर भूनें। जब तेल गर्म हो जाए और मेथी दाना हल्का सुनहरा हो जाए तो इसमें मूली और गाजर का मिश्रण मिलाएं। ऊपर से सिरका डालकर अच्छी तरह से मिला लें। तेल और सिरका अचार को जल्दी पका देंगे और इसमें ताजगी भी बनी रहेगी। जब सभी सामग्री अच्छे से मिल जाए और मसाले व तेल गाजर-मूली के टुकड़ों में अच्छे से समा जाए तो समझिए अचार तैयार है। इसे आप तुरंत खाने के साथ सर्व कर सकते हैं। आप चाहें तो इसे कुछ घंटों के लिए रख भी सकते हैं। बिना फ्रिज में स्टोर किए ये अचार एक हफ्ते तक ठीक रहता है। लेकिन अगर लंबे समय तक स्टोर करना हो, तो इसे एयरटाइट कंटेनर में रखकर फ्रिज में रख सकते हैं।

हंसना मना है

लड़का- मैं आपकी बेटी से शादी करना चाहता हूं, बाप- कितना कमा लेते हो। लड़का- 19000 हजार महीना। बाप- 15000 मैं अपनी बेटी को पाकेट मनी देता हूं। लड़का- वो मिलाके के ही बोल रहा हूं अंकल।

पत्नी – हमेशा मेरा आधा माथा दुखता है, लगता है डॉक्टर को दिखाना पड़ेगा। पति – अरे उसमें डॉक्टर को क्या बताना! वो तो जितना है उतना दुखेगा ही। बस तब से ही पति का पूरा बदन दु:ख रहा है।

टीचर- मैं दो वाक्य दूंगा उसमें आपको अंतर बताना है। पहला वाक्य- उसने बर्तन धोए। दूसरा वाक्य- उसे बर्तन धोने पड़े। पप्पू – पहले वाक्य में कर्ता अविवाहित है। और दूसरे वाक्य में कर्ता विवाहित है।

पति अपनी पत्नी से – मेरी शर्ट को उल्टी करके प्रेस करना। पत्नी- ठीक है, कुछ देर बाद, पति- मेरी शर्ट को प्रेस कर दिया क्या, पत्नी- नहीं अभी नहीं, पति- क्यों? पत्नी- अभी मुझे उल्टी ही नही आ रही तो उल्टी करके कैसे प्रेस करूं। पति बेहोश।

कहानी डर का सामना

हर किसी की जिंदगी में ऐसा पल जरूर आता है जब उसे किसी-न-किसी वजह से डर लगने लगता है। इस डर का सामना करने के लिए जानना जरूरी है स्वामी विवेकानंद का एक किस्सा। एक दिन की बात है स्वामी विवेकानंद मंदिर में दर्शन करने के बाद प्रसाद लेकर बाहर निकले। कुछ देर आगे चलने के बाद स्वामी के घर के रास्ते में उन्हें कुछ बंदरों ने घेर लिया। स्वामी थोड़ा आगे बढ़ते और वो बंदर उन्हें काटने को आते। काफी देर तक स्वामी विवेकानंद ने आगे जाने की कोशिश की, लेकिन वो ऐसा कर न पाए। आखिर में स्वामी विवेकानंद वहां से वापस मंदिर की ओर लौटने लगे। उनके हाथ से प्रसाद की थैली को छीनने के लिए बंदरों की टोली भी उनके पीछे भागने लगी। स्वामी डर गए और वो भी डर के मारे दौड़ने लगे। दूर से मंदिर के पास बैठा एक बूढ़ा सन्यासी सब कुछ देख रहा था। उसने स्वामी को भागने से रोका और कहा, बंदरों से डरने की जरूरत नहीं है। तुम इस डर का सामना करो और फिर देखो क्या होता है। स्वामी विवेकानंद संयासी की बात सुनकर वहां ठहरे और बंदरों की तरफ मुड़ गए। अपनी तरफ तेजी से बंदरों का आता देखकर स्वामी भी उनकी तरफ उतनी ही तेजी से बढ़ने लगे। बंदरों ने जैसे ही स्वामी विवेकानंद को अपनी तरफ आता देखा, तो वो डरकर भागने लग गए। अब बंदर आगे-आगे भाग रहे थे और स्वामी जी बंदरों के पीछे-पीछे। कुछ ही देर में सभी बंदर उनके रास्ते से हट गए। इस तरह स्वामी विवेकानंद ने अपने डर पर जीत हासिल की। फिर वो लौटकर उसी संन्यासी के पास गए और उनको इतनी बड़ी बात सिखाने के लिए धन्यवाद कहा।

कहानी से सीख- कोई भी चीज डर का कारण तब तक बनी रहती है, जब तक हम उससे डरते हैं। इसी वजह से डर से डरने की जगह उसका सामना करना चाहिए। ऐसा करने से डर भाग जाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष कोर्ट व कचहरी के काम से छुटकारा मिल सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। प्रमाद न करें।

वृषभ स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है। लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के योग हैं। बड़ा लाभ हो सकता है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

मिथुन विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। नौकरी में कोई नया काम कर पाएंगे। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त हो सकता है।

कर्क कोई बड़ी परेशानी आ सकती है। भागदौड़ अधिक होगी। शोक समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय होगी।

सिंह मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। वरिष्ठ व्यक्तियों का मार्गदर्शन लाभ में वृद्धि करेगा।

कन्या उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। आत्मसम्मान बना रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें।

तुला भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है।

वृश्चिक व्ययवृद्धि होगी। विवाद को बढ़ावा न दें। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

धनु रुका हुआ पैसा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। आलस्य न करें।

मकर आर्थिक उन्नति के लिए नई नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के योग हैं, प्रयास करते रहें। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें।

कुम्भ पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत की सेवा करने का अवसर प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

मीन चोट व दुर्घटना से हानि हो सकती है। भ्रम की स्थिति बन सकती है। किसी व्यक्ति के व्यवहार से मन को ठेस पहुंच सकती है। जल्दबाजी न करें। आलस्य हावी रहेगा।

'छावा' बनी सबसे ऐतिहासिक ओपनर, पद्मावत को भी पिछाड़ा

बॉलीवुड | गपशप

विक्की कौशल की सिंह गर्जना ने उनकी नई फिल्म 'छावा' को हिंदी में बनी ऐतिहासिक फिल्मों में इस मामले में नंबर वन पर ला दिया है कि इसने बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पांचों फिल्मों से बेहतर ओपनिंग पहले दिन की है। हिंदी सिनेमा में बनी ऐतिहासिक फिल्मों में सबसे ज्यादा कमाई का रिकॉर्ड अब तक 'पद्मावत' के पास रहा है जिसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए पर इसकी ओपनिंग सिर्फ 24 करोड़ रुपये की रही।
फिल्म 'छावा' के जरिये अभिनेता विक्की कौशल ने अपना पंजा बॉक्स ऑफिस पर पहले ही दिन मार दिया है। फिल्म ने अपनी रिलीज के एक दिन पहले ही दिन 31 करोड़ रुपये से ऊपर की ओपनिंग ली है। ये विक्की कौशल के करियर में बतौर सोलो हीरो अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग भी है। 'छावा' विक्की कौशल के करियर की बिगेस्ट ओपनर तो बन ही चुकी है, फिल्म ने अपनी लागत का 20 फीसदी से ज्यादा पहले दिन ही कमाकर वीकएंड को खुशगवार बनाने की तरफ भी कदम बढ़ा दिए हैं। निर्माता दिनेश विजन फिल्म 'छावा' के 12,344 शोज की एडवांस बुकिंग बीते सोमवार से चलती रही है। फिल्म शुक्रवार को दुनिया भर में रिलीज हो गई। वैलेंटाइंस डे पर फिल्म देखने तमाम जोड़े भी आए और उन्हें फिल्म में विक्की कौशल व रश्मिका मंदाना के बीच श्री और सखी श्री के संबोधनों वाला संवाद खूब पसंद आया। फिल्म के क्लाइमेक्स में भी मां जगदंबा को याद करते संभाजी और येसुबाई को देख लोगों ने आंसू भी बहाए। इसके बाद आए फिल्म के खौफनाक क्लाइमेक्स को लोग अभी बरसों याद रखेंगे।
किसी भी फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन अगर अपने मेकिंग और प्रचार बजट के 20 फीसदी या उससे ज्यादा होता तो उसके हिट होने की संभावनाएं प्रबल हो जाती हैं। फिल्म 'छावा' 130 करोड़ रुपये में बनी है। उस लिहाज से फिल्म 'छावा' के रिलीज के पहले दिन 31 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार कर लेने से विक्की कौशल की प्रतिष्ठा भी हिंदी सिनेमा में बढ़ना तय माना जा रहा है। ये कलेक्शन इस साल किसी हिंदी फिल्म की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग है। इसके पहले अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया की फिल्म 'स्काई फोर्स' ने रिलीज के पहले दिन करीब 15.30 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। अब तक हिंदी में बनी सारी ऐतिहासिक फिल्मों में ये सबसे बड़ी ओपनिंग है। इसके पहले ये रिकॉर्ड दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'पद्मावत' के पास था जिसकी ओपनिंग 24 करोड़ रुपये रही थी।

बॉलीवुड | मन की बात

पैसे होंगे तो रिलेशनशिप खुद आएगा : आतिफ असलम

आतिफ असलम ने ब्रेकअप पर कुछ ऐसा कहा है कि ये बात लोगों की नजरों में आ गई है। उन्होंने कहा कि ब्रेकअप से इंसान का डेवलपमेंट होता है और उनके विचारों ने ऑनलाइन खूब सुर्खियां बटोरीं। कई लोगों ने उनकी सलाह की सराहना की जबकि कुछ लोग इस पर बहस भी कर रहे हैं। आतिफ ने सारा भरवाना से शादी की है और उनके तीन बच्चे हैं। सिंगर ने अपने व्लॉग में ब्रेकअप पर बात की, जब एक फैन ने उनसे आदत गाने की बैकस्टोरी के बारे में पूछा। आतिफ असलम ने फैन के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि इसमें कुछ खास नहीं है, लेकिन उन्होंने अपने जीवन में अकेलेपन के दौर में यह गाना बनाया था। उन्होंने बताया कि वह उस समय ब्रेकअप से गुज़र रहे थे फिर एक फैन ने उनसे सलाह मांगी, जिसमें उसने बताया कि हाल ही में उनका ब्रेकअप हुआ है। आतिफ ने जवाब दिया कि उनके जीवन का सबसे अच्छा डिसीजन ब्रेकअप ही था, उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने इसकी पहल की होती, तो उन्हें उन पर बहुत गर्व होता। आतिफ ने कहा, जीवन में हासिल करने के लिए और भी बहुत कुछ है। ब्रेकअप, मेकअप और रिश्ते किसी के उद्देश्य को परिभाषित नहीं करते हैं। उन्होंने फैंस को अपने करियर पर ध्यान देने के लिए मोटिवेट किया। उन्होंने आगे कहा, एक बार जब आपके पास पर्याप्त पैसा हो जाता है, तो रिश्ते आपके पास खुद आएंगे, न कि आप जाएंगे। उनका बयान सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है, जिस पर लोगों के रिएक्शन अलग-अलग हैं। जहां कई लोग जीवन और रिश्तों को लेकर उनकी तारीफ कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग तर्क दे रहे हैं कि प्यार और साथ भी उतना ही जरूरी है जितना कि करियर की सफलता। एक फैन ने लिखा- पैसा इतना होना चाहिए कि ब्रेकअप के बाद आपको कभी फील न हो जबकि दूसरे ने कहा- आतिफ थेरेपिस्ट। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने क्लिप देखने के बाद उन्हें लव गुरु करार दिया। इस बीच, कुछ ही घंटे पहले, आतिफ ने अपनी पत्नी सारा भरवाना के साथ एक दिल को छू लेने वाला वैलेंटाइन डे पोस्ट शेयर किया। इस पोस्ट में उनके ट्रिप और साथ में खाने के कुछ फोटोज थे, जिसका कैप्शन था, अपने प्यारे लोगों को कसकर थामे रहो।

फिर बड़े पर्दे पर दस्तक देगी सनी देओल की 'घातक'

हिंदी सिनेमा में साल 2025 में क्लासिक फिल्मों को फिर से रिलीज करने का चलन तेजी से बढ़ता जा रहा है। ये जवानी है दीवानी और सनम तेरी कसम की सफल री-रिलीज के बाद अब अंदाज अपना अपना के निर्माता भी अपनी क्लासिक कॉमेडी फिल्म को अप्रैल में सिनेमाघरों में फिर से लाने की घोषणा कर चुके हैं। इसी कड़ी में अब एक और बड़ी खबर सामने आई है। सनी देओल अभिनीत फिल्म घातक भी बड़े पर्दे पर फिर से दस्तक देने जा रही है।
बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार एक सूत्र ने साझा किया कि घातक को जब पहली बार साल 1996 में रिलीज किया गया था तो यह बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त हिट रही थी। आज भी फिल्म दर्शकों के दिलों में खास जगह रखती है। फिल्म के जबर्दस्त एक्शन, दिल छूने वाली कहानी और खासकर सनी देओल की दमदार एक्टिंग के लिए इसे हमेशा याद किया जाता है। गदर 2 (2023) की शानदार सफलता के बाद सनी देओल के पुराने काम को लेकर लोगों में उनके पिछले काम को देखने की एक नई रुचि जागी है। इसी वजह से फिल्म को दोबारा बड़े पर्दे पर रिलीज करने का फैसला किया गया है।
फिलहाल, फिल्म के निर्माता 28 फरवरी को इसकी रिलीज का लक्ष्य बना रहे हैं। हालांकि, यह तारीख बाद में चर्चा के बाद बदल भी सकती है। सूत्र ने यह भी जानकारी दी कि सनी देओल खुद इस री-रिलीज को लेकर बहुत उत्साहित हैं और वह फिल्म के प्रचार में सक्रिय रूप से हिस्सा लेने वाले हैं। घातक एक ऐसे युवक की कहानी है जो अपने बीमार पिता को इलाज के लिए बनारस से मुंबई लाता है। वहीं वह एक महिला से प्रेम करने लगता है। हालांकि, जिस कॉलोनी में वह रहता है, वहां एक गैंगस्टर का राज चलता है। इसी के बाद अच्छाई और बुराई के बीच संघर्ष शुरू होता है।

अमेजन के जंगल से पहली बार बाहर आया लड़का नहीं रास आई दुनिया, 24 घंटों में ही लौटा वापस!

एक वक्त था जब हर इंसान जंगलों में रहता था, वहीं पर अपनी दुनिया बसाता था। धीरे-धीरे जब शहरीकरण हुआ तो लोग शहरों में बसने लगे और जंगलों को छोड़ दिया। पर आज भी बहुत सी ऐसी जनजातियां हैं, जो जंगलों में रहती हैं। इन जनजाति के लोग, शहर या सभ्यता से दूर रहना पसंद करते हैं। इस वजह से जब ये ग्रामीण या शहरी इंसानों से मिलते हैं, तो बिल्कुल हैरान-परेशान नजर आते हैं। हाल ही में ब्राजील में ऐसा ही हुआ। यहां पर एक जनजाति का लड़का जंगल से बाहर आ गया और एक गांव में पहुंच गया। गांव वालों ने उसे लाइटर से आग जलाना सिखाया। हालांकि, वो लड़का 24 घंटे में ही अपने घर लौट गया। न्यूज एजेंसी असोशिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार 13-14 फरवरी के रोज ब्राजील के बेला रोसा इलाके में एक हैरान करने वाली घटना घटी। अमेजन के जंगलों के पास पुरुस नाम की नदी बहती है। नदी के पास ही एक ग्रामीण बस्ती है। वहां अचानक एक लड़का जंगलों से निकलकर आ गया। वो लड़का एक जनजाति का सदस्य था जो जंगलों में एकांत में रहती है और सभ्यता से कभी नहीं मिलती-जुलती। लड़का पहली बार ग्रामीण इलाके में पहुंचा था। लोगों ने न्यूज एजेंसी को बताया कि वो स्वस्थ लग रहा था, उसके एक लंगोट पहनी थी। उसके हाथ में दो लकड़ी की टहनियां थीं जिसे वो लोगों की ओर हिलाकर इशारा कर रहा था। ग्रामीणों का मानना है कि वो लड़का आग जलाने का इशारा कर रहा था। एक ग्रामीण व्यक्ति ने उसे लाइटर से आग जलाना सिखाया। हालांकि, वो सीख नहीं पाया। ब्राजील की जनजातीय मामलों की एजेंसी, फुनाई के लोग जल्द ही वहां पहुंच गए और उस लड़के को मछली खाने को दिया गया। उसके बाद उसे पास के ही एक केयर सेंटर ले जाया गया, जिसे एजेंसी के लोग ही चलाते थे। असोशिएटेड प्रेस की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार लड़के को शायद बाहरी दुनिया पसंद नहीं आई और वो 24 घंटों में ही अपने लोगों के पास वापिस जंगल लौट गया। लड़का बिना चप्पल के था। लड़के की जांच हुई, जिससे पता चल सके कि वो किसी बीमारी से तो ग्रस्त नहीं है। उसके बाद एजेंसी ने ये भी सुनिश्चित किया कि ग्रामीण उस लड़के का पीछा कर के उसके इलाके तक न पहुंच जाएं। ब्राजील में ये नियम है कि लोग या प्रशासन इन जनजाति के लोगों से सक्रीय संपर्क नहीं साधते हैं, बल्कि जिस जगह पर वो दिखाई देते हैं, उस जगह को सुरक्षित इलाका बना देते हैं और उसे मॉनिटर करने लगते हैं, जिससे आगे कभी किसी जनजाति के लोग वहां पर आएं, तो उनकी सुविधा का ध्यान रखा जा सके। लोकल लोगों ने लड़के का वीडियो बना लिया।

अजब-गजब | जापान के इस चिड़ियाघर ने बनाये अनोखे नियम

इस जू में मर्दों का अकेले जाना है मना, जोड़े के साथ जाने वालों को ही मिलती है इंट्री, वजह है कर देगी हैरान

आप क्या कहेंगे अगर आप ऐसी जगह पहुंचे जहां पर मर्दों का अकेले जाना मना हो। उन्हें उस क्षेत्र में या तो परिवार या फिर केवल दोस्तों (महिला का होना जरूरी) के साथ ही जाने की इजाजत हो। ऐसे में यह सवाल मन में उठता है कि यह लिंगभेद क्यों? क्या आज के आधुनिक समाज में ऐसी कोई जगह हो भी सकती है जहां ऐसा करने की जरूरत है। आप शायद यकीन ना करें। यह बहस का मुद्दा हो गया है। क्योंकि जापान के एक चिड़ियाघर ने ऐसा ही फरमान जारी किया है।

जापान में एक चिड़ियाघर की निदेशक मीसा मामा को यह फैसला लेने पर मजबूर होना पड़ा कि वहां पुरुष पर्यटकों को अकेले प्रवेश से वंचित कर दिया जाय। चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक ऐसा उन्हें इसलिए करना पड़ा क्योंकि वहां बार बार उनके खुद के साथ और महिला पर्यटकों के साथ छेड़छाड़ होने की घटनाएं असहनीय रूप से बढ़ गई थीं।
देश के टोचिगी प्रान्त में स्थित, हीलिंग पैवेलियन एक इंटरैक्टिव चिड़ियाघर है। यहां लोग सूअर, बिल्ली, कुत्ते और भेड़ जैसे जानवरों के साथ समय बिता सकते हैं। इसे पिछले साल मार्च में खोला गया था। इसका मकसद जानवरों के साथ बातचीत के जरिए चिकित्सकीय सोहबत देना था। इसमें पालतू जानवरों के साथ लोगों के लिए एक डॉग पार्क भी है।
लेकिन अब चिड़िया घर के प्रवेशद्वार पर ही नोटिस लगा दिया गया है कि यहां पुरुष आगुंतक अकेले नहीं आ सकते हैं। मीसा ने बताया कि वैसे तो यहां अधिकांश लोग परिवार और जोड़े से ही आते हैं, लेकिन कुछ अकेले मर्दों ने महिला आगुंतकों के साथ उन्हें भी छेड़ा है। चिड़िया घर के निदेशक होने के नाते वे कुछ ज्यादा ही सहन कर रही थीं। पर आखिर कार उन्हें यह कड़ा फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस फैसले ने सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा कर दिया है। कई लोगों ने इसे लिंग भेदभाव की तरह बताया है। वहीं मीसा का कहना है कि वे पुरुषों के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन महिला आगुंतकों के सुरक्षा के लिए ऐसे कदम उठाने के लिए मजबूर हैं। कई लोगों ने मीसा का समर्थन भी किया है। इसके कुछ लोगों ने वैकल्पिक सुझाव भी दिए हं। जिनमें ज्यादा से ज्यादा पुरुष स्टाफ को शामिल करना भी शामिल है।

कर्मचारियों की बर्खास्तगी पर महबूबा ने जताई नाराजगी

राज्यपाल ने बर्खास्त किये हैं तीन सरकारी कर्मचारी

» मुफ्ती ने पूछा- उमर क्या 370 हटाने के फैसले पर मोहर लगाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने आतंकी संबंधों के चलते तीन सरकारी कर्मचारियों की बर्खास्तगी को लेकर उमर अब्दुल्ला सरकार पर निशाना साधा है।

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा, लोगों को उम्मीद थी कि जब सरकार बनेगी तो कर्मचारियों की बर्खास्तगी में कमी आएगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। जिन तीन अधिकारियों को बर्खास्त किया गया, उनमें से एक कांस्टेबल फिरदौस था, जो आतंकवादियों की गोली से घायल हो गया था और उसके शरीर पर 85 टांके लगे हैं। महबूबा मुफ्ती ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से पूछा कि क्या वह जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म करने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने पर मुहर लगाएंगे। उन्होंने कहा, मैं सीएम उमर अब्दुल्ला से संसद में 2019 में लिए गए फैसले के बारे में पूछ रही हूं और क्या वह उस पर मुहर लगाने जा रहे हैं? अगर ऐसा होता है, तो अनुच्छेद 370 और 35ए का हमारा मामला कमजोर पड़ जाएगा। जम्मू-कश्मीर में कुछ भी सामान्य नहीं है, कश्मीर के लोग चुप हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कश्मीर में सामान्य स्थिति है।

मनोज सिन्हा के फैसले से खुश हैं उमर

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जेल में बंद एक पुलिसकर्मी सहित तीन सरकारी कर्मचारियों को आतंकवादियों से उनके कथित संबंधों को लेकर शनिवार को बर्खास्त कर दिया। बर्खास्त किए गए कर्मचारियों में पुलिस कांस्टेबल फिरदौस अहमद भट, शिक्षक मोहम्मद अशरफ भट और वन विभाग में अर्दली निसार अहमद खान शामिल हैं। सरकारी कर्मचारियों की बर्खास्तगी पर सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का फैसला ठीक है। उमर अब्दुल्ला ने मीडिया से बात करते हुए कहा, अगर उनके खिलाफ सबूत हैं और अगर उन्हें खुद को सही ठहराने का मौका दिया गया था, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सके, तो यह ठीक है।

पेट में छुपा कर कोकीन ला रही महिला गिरफ्तार

» मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने की कार्रवाई, विदेशी महिला से पूछताछ जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) ने एक विदेशी महिला को गिरफ्तार किया है, जो पेट में कोकीन छिपाकर मुंबई लेकर आई थी। महिला यूगांडा से मुंबई आई थी और कस्टम अधिकारी ने विशेष जानकारी के आधार पर उसे रोककर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान महिला ने स्वीकार किया कि उसने कोकीन अपने पेट में छिपाकर रखा था।

महिला ने स्वीकार किया कि पेट में 84 गोलियां छिपाकर रखी हैं, जो कोकीन से भरी हुई थीं। 32 गोलियां अब तक बाहर निकल चुकी हैं, आज कोर्ट की अनुमति से उसे जे.जे. अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका मेडिकल करवाने के बाद इलाज किया जाएगा ताकि उसके पेट से बाकी ड्रग्स भी निकल जाएं और उसकी जान को कोई खतरा भी न रहे। अस्पताल में इलाज के बाद आरोपी को कानूनी प्रक्रियाओं के तहत आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस के हवाले किया जाएगा। एआईयू अभी उस शख्स की तलाश कर रही है, जिसने महिला को ड्रग्स दिया था और जिसे महिला ड्रग्स की डिलीवरी देने वाली थी। एआईयू अधिकारियों का कहना है कि महिला को ड्रग्स की डिलीवरी करने के लिए भेजा गया था, और अब उन्हें यह पता लगाना है कि इस पूरे नेटवर्क के पीछे कौन है। जांचकर्ताओं का मानना है कि यह एक बड़े ड्रग ट्रैफिकिंग रैकेट का हिस्सा हो सकता है, जिसके तार विदेशों तक जुड़े हो सकते हैं।

असम के सीएम पर कानूनी कार्रवाई करेंगे गौरव गोगोई

» हिमंत बिस्वा और भाजपा ने मेरे सहयोगी के खिलाफ शुरू किया घृणित बदनामी अभियान : जयराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई इन दिनों आमने-सामने है। दोनों के बीच का विवाद कानूनी लड़ाई तक पहुंच गया है। पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न पर पाकिस्तानी कनेक्शन के आरोप में गौरव गोगोई कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बताया कि असम के मुख्यमंत्री और भाजपा ने मेरे सहयोगी गौरव गोगोई के खिलाफ घृणित बदनामी अभियान शुरू कर दिया है। यह चरित्र हनन का सबसे घटिया रूप है। इसके खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जयराम ने कहा कि यह बदनामी अभियान इसलिए चलाया जा रहा है क्योंकि गौरव गोगोई ने जून 2024 में जोरहाट लोकसभा सीट जीती, बावजूद इसके कि असम के मुख्यमंत्री और अन्य मंत्री जोरहाट में डेरा डालकर उनके खिलाफ प्रचार कर रहे थे। इसके अलावा, जोरहाट के सांसद असम के मुख्यमंत्री के खुले भ्रष्टाचार और काले कारनामों को उजागर करने में सबसे आगे रहे हैं। जयराम ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री, अपने दिल्ली वाले सर्वोच्च नेता की तरह, बदनामी, गलत बयानी, और ध्यान भटकाने की राजनीति में माहिर हैं।

मेरे लिए बहुजन-हित सर्वोपरि : मायावती

» बसपा प्रमुख के बदले तेवर से आकाश कैम्प में पसरा सन्नाटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि कांशीराम की शिष्या व उत्तराधिकारी होने के नाते उनके पदचिह्नों पर चलते हुए मैं अपनी आखिरी सांस तक हर कुर्बानी देकर पार्टी मूवमेंट को आगे बढ़ाने का संघर्ष जारी रखूंगी, ताकि बहुजन समाज के लोग राजनीतिक गुलामी व सामाजिक लाचारी के जीवन से मुक्त होकर अपने पैरों पर खड़े हो सकें। इसे आगे बढ़ाने के लिए स्वार्थ, रिश्ते-नाते महत्वहीन हैं। मेरे लिए बहुजन-हित सर्वोपरि है। मायावती ने कहा कि बसपा डॉ. आंबेडकर द्वारा शुरू किए गए बहुजन समाज के आत्मसम्मान व स्वाभिमान के कारवां को सत्ता तक पहुंचाने तथा कांशीराम द्वारा सब कुछ त्यागकर स्थापित की गई पार्टी और उसका मूवमेंट है।

कांशीराम की तरह ही मेरे जीते-जी भी पार्टी व मूवमेंट का कोई भी वास्तविक उत्तराधिकारी तभी है, जब वह भी कांशीराम की अंतिम सांस तक उनकी शिष्या की तरह पार्टी व मूवमेंट को हर दुख और तकलीफ उठाकर आगे बढ़ाने में जी-जान से लगा रहे। उन्होंने पार्टी के छोटे-बड़े सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे पूरी निष्ठा व ईमानदारी से जवाबदेह होकर तन, मन, धन से काम करते रहें। इसी जिम्मेदारी के साथ कैडर के बल पर जमीनी स्तर पर पार्टी संगठन की मजबूती व सर्वसमाज में जनाधार को बढ़ाने के साथ ही आगे भी हर चुनाव की तैयारी में पूरी दमदारी के साथ लगना है। अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निष्कासित किए जाने के बाद पार्टी के नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद ने चुप्पी साध ली है। आकाश आनंद के कैंप में भी मायावती के इस फैसले के बाद सन्नाटा पसरा है। इस फैसले पर आकाश ने कोई टिप्पणी नहीं की है।

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हादसा दुखद

बसपा सुप्रीमो ने दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात हुए हादसे को लेकर कहा कि प्रयागराज महाकुंभ जाने के लिए रेलवे स्टेशन पर उमड़ी भीड़ के बीच रेलवे की गंभीर लापरवाही से मची भगदड़ में काफी लोगों की हुई मौत व घायल होने की घटना दुखद है। उन्होंने पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना जताने के साथ केंद्र सरकार से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा पीड़ितों की पूरी मदद करने की मांग की है।

आईपीएल फाइनल की मेजबानी करेगा ईडन गार्डेन

» इससे पहले 2013 और 2015 में भी कर चुका है मेजबानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। आईपीएल 2025 का आगाज 22 मार्च को ईडन गार्डन में गतविजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) की भिड़ंत से होगा। कोलकाता में ही 23 मई को दूसरा क्वालिफायर और 25 मई को फ़ाइनल भी खेला जाएगा। इससे पहले 2013 और 2015 में भी यहां फाइनल खेला जा चुका है।

20 और 21 मई को पहला क्वालीफायर और एलिमिनेटर हैदराबाद में खेला जाएगा। शनिवार को आईपीएल के आगाज के ठीक अगले दिन यानी

रविवार 23 मार्च को डबल हेडर खेला जाएगा। जहां सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) मुंबई इंडियंस (एमआई) की मेजबानी करेगी। आरआर के लिए गुवाहाटी, डीसी के लिए विशाखापट्टनम और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के लिए धर्मशाला दूसरा घरेलू मैदान होगा। गुवाहाटी और विशाखापट्टनम में दो-दो मैच होंगे तो वहीं धर्मशाला तीन मैचों की मेजबानी करेगा। पीबीकेएस आमतौर पर धर्मशाला में हर सीजन दो मैच ही खेलती आई है, लेकिन इस बार आईपीएल ने इस मैदान पर एक अतिरिक्त मैच शेड्यूल कर दिया है। डीसी, एमआई और एलएसजी इस मैदान पर पंजाब के खिलाफ मैच खेलेंगे। 4 से 11 मई के बीच यह मैच खेले जाने हैं और पीबीकेएस इकलौती टीम होगी जिसे लगातार तीन घरेलू मैच खेलने का मौका मिलेगा।

आईपीएल 2025 में 74 मैच खेले जाएंगे

आईपीएल 2025 में 74 मैच खेले जाएंगे और लीग कुल 65 दिनों तक खेली जाएगी। पूरे सीजन में 12 डबल हेडर खेले जाएंगे। आरआर , दिल्ली कैपिटल्स (डीसी), लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) दोपहर में तीन-तीन मैच खेलने वाले हैं। अन्य सात टीमें दोपहर में दो-दो मैच खेलेंगी। पिछले साल दोपहर के मैच 3:30 बजे से शुरू हुए थे। शेड्यूल में 13 मैदानों के नाम सामने आए हैं जिसमें सभी 10 टीमों के मुख्य घरेलू मैदानों के अलावा गुवाहाटी, विशाखापट्टनम और धर्मशाला का नाम भी शामिल है।

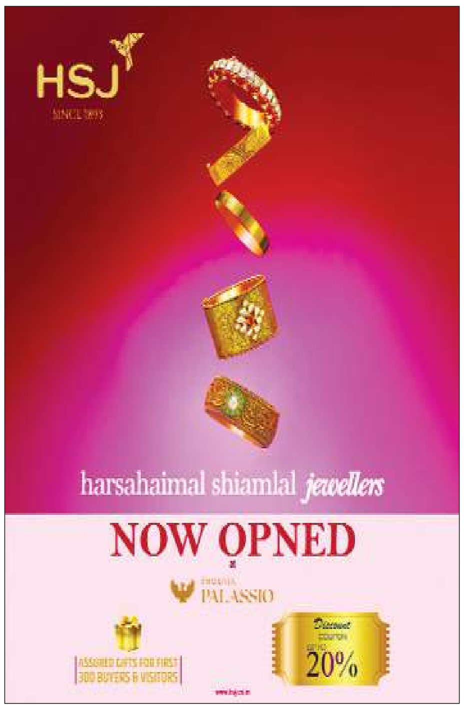

दिल्ली बिहार में भूकंप के झटके, डरे लोग वापस घरों में जाने को तैयार नहीं

» प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की संयम बरतने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के बाद बिहार में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, सोमवार सुबह 8:02 बजे 4.0 तीव्रता का भूकंप आया। बिहार में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.0 मापी गई, जबकि इसका केंद्र सीवान जिले में जमीन से 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। एनसीएस ने पुष्टि की कि इस भूकंप का अक्षांश 25.93 और देशांतर 84.42 दर्ज किया गया।

बिहार के अलावा, सोमवार सुबह 8:54 बजे बांग्लादेश में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां भूकंप की तीव्रता 3.5 मापी गई, जबकि इसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। एनसीएस के अनुसार, बांग्लादेश में आए भूकंप का अक्षांश 24.86 और देशांतर 91.94 दर्ज किया गया। भूकंप के झटकों से बिहार और बांग्लादेश में किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन स्थानीय लोगों में डर का माहौल देखा गया। भूकंप के बाद लोग सतर्कता बरतते हुए घरों और कार्यालयों से बाहर निकल आए।

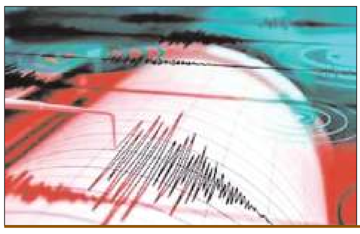

हिलने लगीं इमारतें

इससे पहले राजधानी दिल्ली में भी सुबह 5.37 बजे के करीब भूकंप आया था। झटके इतने तेज थे कि इमारतें हिलने लगीं और लोग अपने घरों से बाहर निकल गए। पेड़ों पर बैठे पक्षी भी तेज आवाज के साथ इधर-उधर उड़ने लगे।

रिक्टर स्केल पर 4 रही तीव्रता

राष्ट्रीय भूकंप केंद्र के अनुसार, तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.0 मापी गई। इसका केंद्र जमीन से महज पांच किलोमीटर की गहराई पर, 28.59 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 77.16 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। भूकंप की कम गहराई और इसका केंद्र दिल्ली में होने के कारण, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में इसका अधिक प्रभाव महसूस किया गया। काफी समय बाद भूकंप का केंद्र दिल्ली में आया, जिससे यहां के लोगों को काफी देर तक झटके महसूस हुए। एनसीएस ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से भूकंप की पुष्टि की और कहा, भूकंप का मैग्नीट्यूड : 4.0, दिनांक: 17/02/2025 05:36:55 आईएसटी, अक्षांश: 28.59 उत्तर, देशांतर: 77.16 पूर्व, गहराई: 5 किमी रहा।

अमेरिका पर सिखों को बिना पगड़ी भारत भेजने का आरोप

अमृतसर में प्लेन उतरते ही पंजाब में गरमाया मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर। पंजाब के चंडीगढ़ में अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 112 भारतीयों को लेकर एक अमेरिकी सैन्य विमान देर रविवार रात अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरा। ये अवैध प्रवासियों के खिलाफ डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन की ओर से की गई कार्रवाई के बीच वापस भेजे जाने वाले भारतीयों का तीसरा जत्था है। सी–17 विमान रात 10:03 बजे हवाई अड्डे पर उतरा।

आरोप लगाया जा रहा है कि अमेरिका से निर्वासित किए गए सिखों ने कथित तौर पर अपनी पगड़ी नहीं पहनी थी। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) ने अमेरिका की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका से भारत भेजे गए सिखों को पगड़ी पहनने की अनुमति नहीं दी गई। भारत में पहुंचने के बाद निर्वासित लोगों को लंगर और बस सेवाएं प्रदान करने के लिए एसजीपीसी अधिकारियों ने सिखों को दस्तार (पगड़ी) दी।

पंजाब सरकार में मंत्री कुलदीप धालीवाल और हरभजन सिंह ईटीओ ने लौटे भारतीयों से बातचीत की।

तीसरे जत्थे में किस राज्य के कितने लोग आए?

अमेरिका से आए तीसरे जत्थे में 44 हरियाणा से, 33 गुजरात से, 31 पंजाब से, दो उत्तर प्रदेश से और एक-एक उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश से थे। इनमें 19 महिलाएं और 14 नाबालिग थे, जिनमें दो नवजात शिशु भी शामिल हैं। पंजाब और हरियाणा से निर्वासित लोगों को जांच करने के बाद सोमवार को सुबह करीब 4:45 बजे उनके घरों तक ले जाया गया। अमेरिका से अवैध प्रवासियों का दूसरा जत्था 15 फरवरी शनिवार को भारत आया था। इस दिन कुल 116 लोग भारत आए थे। वहीं पहला विमान 5 फरवरी को भारत लाया गया था। इस दिन कुल 104 अवैध प्रवासियों को भारत लाया गया था।

पंजाब को बदनाम करने की साजिश : सीएम मान

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने बीजेपी पर पंजाब को बदनाम करने का आरोप लगाया है। सीएम ने कहा

केंद्र सरकार अमृतसर को इन निर्वासन उड़ानों के लिए लैंडिंग साइट बनाकर जानबूझकर पंजाब की छवि खराब कर रही है। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय की ओर से इसकी जानकारी दी जानी चाहिए कि उन्होंने अमृतसर को इस लैंडिंग के लिए किस आधार पर चुना है? अमृतसर को डिपोर्टेड फ्लाइट के लिए चुनकर पंजाब को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट पर सुनवाई टली

» अब अगले महीने मार्च में होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई टल गई है। अब यह सुनवाई अगले महीने मार्च में होगी। सुप्रीम कोर्ट ने आज सोमवार को मामले की सुनवाई करते हुए कहा मामला तीन जजों की बेंच सुन रही है, जबकि आज 2 जजों की बेंच बैठी है। लिहाजा मार्च में सुनवाई होगी।

इससे पहले कोर्ट में याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील इंदिरा जय सिंह ने मेंशन कर सुनवाई की मांग की। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि आज प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट के खिलाफ और पक्ष में दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई होगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हमें सुनवाई के लिए (प्रश्न तय करने के लिए भी) मार्च की तारीख देनी होगी।

मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच कर रही है। इससे पहले मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने आखिरी बार 12 दिसंबर 2024 को सुनवाई की थी।

सुनवाई के दौरान वकील इंदिरा जय सिंह ने कहा कि क्या नए हस्तक्षेप की अनुमति दी जा सकती है? सीजेआई खन्ना ने कहा कि इन्हें दायर करने की एक सीमा है, कई याचिकाएं आ रही हैं, हम देखेंगे। देश की सबसे बड़ी अदालत ने कहा कि मामला 3 जजों की बेंच सुन रही है, और आज 2 जजों की बेंच बैठी है। लिहाजा मार्च में सुनवाई होगी।

प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 के खिलाफ बीजेपी नेता और वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय, विश्वभद्र पुजारी, पुरोहित महासंघ, डॉक्टर सुब्रमण्यम स्वामी, करुणेश कुमार शुक्ला, कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर, रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर अनिल कबोत्रा और अनिल त्रिपाठी ने दायर कर रखी है। जबकि इस एक्ट के समर्थन में जमीयत उलमा– ए–हिंद, ज्ञानवापी मस्जिद का प्रबंधन करने वाली अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी, इंडियन मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड,ढ्ढरूढ्ढरू के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, सांसद इकरा चौधरी सहित कई अन्य की ओर से याचिकाएं दायर की गई हैं। दायर हस्तक्षेप याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता द्वारा प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट को असंवैधानिक घोषित करने की मांग के परिणाम गंभीर और दूरगामी होंगे।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर काउंटर प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ के बाद प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म टिकटों की काउंटर से बिक्री बंद कर दी है। भीड़ प्रबंधन के दृष्टिकोण से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शाम 4 बजे से रात 11 बजे तक अगले एक सप्ताह के लिए प्लेटफार्म टिकट की बिक्री बंद करने का निर्णय लिया गया है।

दो दिन पहले नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ की वजह से मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई। जिसके बाद अब नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पूरे स्टेशन परिसर में सुरक्षा बलों की कंपनी तैनात कर दी गई है। मेट्रो की सुरक्षा में लगी सीआईएसएफ की एक कंपनी को भी रेलवे की सुरक्षा में लगाया है।

जारी है शेयर बाजार में गिरावट, लाल निशान पर खुले बाजार

» घरेलू निवेशक संभाले हैं बाजार वर्ना और होगा बुरा हाल

बिकावली का जोर, अमेरिकन रेसिप्रोकल टैरिफ के कारण निवेशकों ने बनाई बाजार से दूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पूरे विश्व से मिल रहे मिले–जुले संकेतों का असर भारतीय शेयर बजारों पर पड़ा और वह सुबह खुलते ही लुड़क गये। सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में ऑटो, आईटी और पीएसयू बैंक सेक्टर में बिकवाली देखी गई। अमेरिकी सरकार द्वारा लगाए जा रहे आगामी रेसिप्रोकल ट्रेड टैरिफ की वजह से निवेशक सतर्क बने हुए हैं।

सुबह करीब 9.34 बजे सेंसेक्स 423.88 अंक या 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,515.33 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 126.45 अंक या 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,802.80 पर था। निफ्टी बैंक 177.75 अंक या 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,921.70 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 150.65 अंक या 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 49,503.50 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 23.55 अंक या 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 15,430.75 पर था।

एक्सपर्ट का मानना है कि वे प्राइस एक्शन को स्विंग लो और फॉलिंग वेज पैटर्न की निचली बाउंड्री दोनों को टेस्ट करते हुए देखते हैं, जो कि बाजार में बियरिश सेंटीमेंट की ओर इशारा करता है। एंजेल वन के समीत चव्हाण के अनुसार, अगर कोई ब्रेकडाउन होता है, तो यह एक बड़ी बिकवाली को ट्रिगर कर सकता है, जिससे अस्थिरता बढ़ सकती है और परिसंपत्ति की कीमतों में और गिरावट आ सकती है। उन्होंने आगे कहा कि तकनीकी दृष्टिकोण से, 22800–22700 जोन (निचले बैंड) से नीचे कोई भी गिरावट निकट भविष्य में 22500–22400 के लिए नई गुंजाइश पैदा कर सकती है, जो कि सर्वकालिक उच्च स्तर से लगभग 15 प्रतिशत की गिरावट हो सकती है। इस बीच, सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, टाटा स्टील, इंफोसिस, टीसीएस, नेस्ले इंडिया, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक टॉप लूजर्स रहे। जबकि बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स और इंडसइंड बैंक टॉप गेनर्स रहे। पिछले कारोबारी सत्र में डाउ जोंस 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 44,546.08 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,114.63 पर और नैस्डैक 0.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,026.77 पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में जकार्ता, सोल और जापान हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि बैंकॉक, चीन और हांगकांग लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने लगातार आठवें सत्र के लिए अपनी बिकवाली का सिलसिला जारी रखा और 14 फरवरी को 4,294.69 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। इसके विपरीत, घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) शुद्ध खरीदार बने रहे और उन्होंने उसी दिन 4,363.87 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी खरीदी।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:– 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू– मुंबई– 400049। **संपादक** – संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522– 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।